राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme B.A.Kathak – Ist YEAR REGULAR

2022-23

Subject cod	Subject Nature	Mid term with Attendance	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Kathak***				
C1-101	History & development of Indian dance	30	70	100	33%
C1-102	Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	30	70	100	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	30	70	100	33%
Group-B	Elective open-1LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)				
E1-101	THEORY-1	30	70	100	33%
E1-102	THEORY-2	30	70	100	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE				
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)				
E2-101	THEORY-I	30	70	100	33%
E2-102	THEORY-II	30	70	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***				
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	30	70	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	30	70	35	33%
F-HM-103	ENTREPRENEURSHIP - III	30	70	30	33%

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme B.A.Kathak – II nd YEAR REGULAR

Subject cod	Subject Nature	Mid term with Attendance	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Kathak***				
C1-101	History & development of Indian dance	30	70	100	33%
C1-102	Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	30	70	100	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	30	70	100	33%
Group-B	Elective open-1LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)	30	70		
E1-101	THEORY-1	30	70	100	33%
E1-102	THEORY-2	30	70	100	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE	30	70		
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)	30	70		
E2-101	THEORY-I	30	70	100	33%
E2-102	THEORY-II	30	70	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***	30	70		
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	30	70	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	30	70	35	33%
F-HM-103	ENVIRONMENTAL STUDY - III	30	70	30	33%

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme B.A.Kathak – IIIrd YEAR REGULAR

Subject cod	Subject Nature	Mid term with Attendance	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Kathak***				
C1-101	History & development of Indian dance	15+05=20	80	100	33%
C1-102	Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	15+05=20	80	100	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	15+05=20	80	100	33%
Group-B	Elective open-1LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)				
E1-101	THEORY-1	15+05=20	80	100	33%
E1-102	THEORY-2	15+05=20	80	100	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE				
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)				
E2-101	THEORY-I	15+05=20	80	100	33%
E2-102	THEORY-II	15+05=20	80	100	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***				
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	15+05=20	80	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	15+05=20	80	35	33%
F-HM-103	BASICS OF COMPUTER - III	15+05=20	80	30	33%

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम (नियमित)
Choice Based Credit System- (CBCS)
सत्र 2022–23

Class : B.A. I[st] Year
Subject : Kathak
Paper : I[st]
Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत
(History and development of Indian dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : (Question paper = 80) + (Mid Term = 15) + (Attandance = 05) = Total 100

Particulars/विवरण

Unit- 1st	पारिभाषिक शब्दों का अध्ययन– 1. तत्कार, हस्तक, ठाठ, आमद, तोड़ा–टुकड़ा, कवित्त। 2. सम, ताली, खाली, विभाग, मात्रा, ठेका, लय व आवर्तन।	
Unit- II[nd]	1. अंग, प्रत्यंग, उपांग, सलामी, तिहाई, परन एवं चक्करदार परन को परिभाषित कीजिए। 2. प्रिमलू, कसक, मसक, कटाक्ष, गतभाव एवं गतनिकास परिभाषित कीजिए।	
Unit- III[rd]	1. नृत्य की उत्पत्ति सम्बन्धी विभिन्न कथाओं का अध्ययन। 2. नृत्य का इतिहासः– प्राचीन काल से भरत काल तक।	
Unit- IV[th]	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार ग्रीवा भेद एवं शिरो भेद। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्तमुद्राओं का क्रमानुसार (1 से 16) चित्रांकन व विनियोग सहित विवरण।	
Unit- V[th]	1. भारतीय नृत्य परम्परा में गुरू वंदना एवं भूमिप्रणाम का महत्व। जीवनीयाँ एवं कथक नृतय में योगदान–पं. बिन्दादीन महाराज, पं. कालका प्रसाद, पं. अच्छन महाराज, पं. लच्छू महाराज, पं. शम्भू महाराज, पं. बिरजू महाराज। 2. भरतनाट्यम नृत्य शैली का परिचयात्मक ज्ञान।	

नोटः– प्रथम वर्ष के ताल –त्रिताल, कहरवा, दादरा

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2022–23

Class : B.A. I[st] Year
Subject : Kathak
Paper : 2[nd]
Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्वात
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : (Question paper = 80) + (Mid Term = 15) + (Attandance = 05) = Total 100

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. कथक नृत्य के जयपुर व लखनऊ की शैलीगत विशेषताऐं एवं सम्बंधित नृत्यकारों के बारे में जानकारी। जीवनीयाँ एवं कथक नृत्य में योगदान– पं. सुखदेव महाराज, पं. जानकी प्रसाद। 2. मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य शैली का परिचयात्मक ज्ञान।	
Unit- II[nd]	1. अभिनय दर्पणानुसार असंयुक्त हस्तमुद्राओं का श्लोक सहित अध्ययन क्रमानुसार (16 से 28) तक हस्तमुद्राओं का चित्रांकन व विनियोग सहित वर्णन 2. अभिनय की परिभाषा एवं प्रकारों का संक्षिप्त अध्ययन।	
Unit- III[rd]	1. कथक नृत्य में ताल की महत्ता। 2. कथक नृत्य में चारों प्रकार के अभिनय का प्रयोग।	
Unit- IV[th]	1. त्रिताल, कहरवा, दादरा ठेकों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लिपिबद्ध करना। 2. त्रिताल में समस्त सीखे गये बोलों का लिपिबद्ध करना।	
Unit- V[th]	1. लोकनृत्य को परिभाषित कीजिए। 2. प्रायोगिक में सीखे गये समस्त बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।	

नोटः– प्रथम वर्ष के ताल – त्रिताल, कहरवा, दादरा

संदर्भित पुस्तकेंः–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्योहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)

12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरू दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने विषेष संदर्भ में'' (डॉ. अंजना झा)

प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक पूर्णांकः 100

Unit- 1_{st}	तीन ताल में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शनः– पद संचालन, हस्त संचालन, ठाठ (कसक, मसक, कटाक्ष सहित), एक नमस्कार का तोड़ा, एक आमद, पांच सादा तोड़े, पांच परन, तिहाई, दो चक्करदार परन अथवा तोड़े, एक कवित्त एवं तत्कार की ठाह, दुगुन, चौगुन।	
Unit- II^{nd}	1. गत विकास– मुकुट, मुरली व मटकी। 2. गतभाव– पनघट (पनिहारिन)	
Unit- III^{rd}	1. गणेशवंदना अथवा गुरू वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. आचार्य नन्दिकेशवर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्तमुद्राओं का (1–16) मूल–श्लोक सहित प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- IV^{th}	1. किसी भी प्रदेश के एक लोक नृत्य पर प्रदर्शन। 2. आचार्य नन्दिकेशवर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार शिरोभेद का प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- V^{th}	त्रिताल, कहरवा, दादरा तालों की ठाह, दुगुन, चौगुन सहित पढ़न्त करने की क्षमता तथा प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोलों की पढ़न्त करने की क्षमता।	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2022–23

Class : B.A. IInd Year
Subject : Kathak
Paper : I[st]
Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत (History & development of Indian Dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : (Question paper = 80) + (Mid Term = 15) + (Attandance = 05) = Total 100

Particulars/विवरण

Unit- 1st	पारिभाषिक शब्दों का अध्ययन– 1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार संयुक्त हस्त(1 से 16 तक) का चित्रांकन एवं विनियोग सहित वर्णन। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार दृष्टि भेदों का विस्तृत अध्ययन।	
Unit- II[nd]	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार संयुक्त हस्तमुद्राओं का क्रमानुसार (16 से 23) का चित्रांकन एवं विनियोग सहित वर्णन। 2. आचार्य भरतमुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अनुसार भ्रकुटि भेदों का अध्यन।	
Unit- III[rd]	1. भरतकाल से मध्यकाल तक भारतीय नृत्यों का इतिहास 2. शास्त्रीय नृत्य शैली कथकली का अध्ययन।	
Unit- IV[th]	1. ताल के दस प्राण। 2. कथक नृत्य की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न कथाएं।	
Unit- V[th]	1. कथक नृत्य में घुँघरू के लक्षण एवं उपयोगिता। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार पात्र लक्षण का विवेचन।	

नोटः–तृतीय वर्ष के ताल –झपताल, सूलताल धमार एवं आडा चौताल
प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम की पुनर्रावृत्ति

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2022–23

Class : B.A. IInd Year
Subject : Kathak
Paper : 2nd
Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्वात
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical : Compulsory

Max. Marks : (Question paper = 80) + (Mid Term = 15) + (Attandance = 05) = Total 100

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. नायक भेदों का अध्ययन। 2. रासलीला की उत्पत्ति एवं विकास का अध्ययन।	
Unit- IInd	1. भातखण्डे तथा पलुस्करताललिपि पद्धति का अध्ययन। 2. कथक नृत्य के जयपुर घराने की शैलीगत विशेषताएं एवं गुरूओं का जीवन परिचय। पं. जयलाल, सुंदर प्रसाद, नारायण प्रसाद, कुंदनलाल गंगानी, राजेन्द्र गंगानी, विदुषी जयकुमारी ।	
Unit- IIIrd	1. रायगढ़ घराने की शैलीगत विशेषताएं एवं उनके नृत्यकारों की जानकारी। जीवनीयाँ एवं कथक नृत्य में योगदान। 2. ओडिसी शास्त्रीय नृत्य शैली का परिचयात्मक ज्ञान।	
Unit- IVth	1. मध्यप्रदेश के लोकनृत्यों का संक्षिप्त अध्ययन। 2. लिपिबद्ध करने की क्षमता– रूपक या धमार एवं झपताल, सुलताल, तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन, चौगुन एवं प्रायोगिक में सीखे गये सभी बोल बंदिशें।	
Unit- Vth	1. भजन, वंदना, ठुमरी गीत, गजल का भाव पक्ष के अन्तर्गत परिचयात्मक ज्ञान। 2. झपताल या धमार में एक आमद एवं परन लिपिबद्ध करने की क्षमता।	

नोटः– तृतीय वर्ष के ताल –धमार, झपताल, सूलताल

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्योहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)

10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरू दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने विषेष संदर्भ में'' (डॉ. अंजना झा)

प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक **पूर्णांकः 100**

Unit- 1st	1. तीन ताल में निम्नानुसार नृत्य– पूर्व में सीखे गये नृत्य के अतिरिक्त तिस्त्र एवं चतुस्त्र जाति के तोड़े एवं दो परन, नवहक्का परन, चार तिहाइयां 2. तीनताल में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन एवं दो मिश्र जाति के तोड़े एवं दो परन, नवहक्का परन, चार तिहाइयां एवं फरमाईशी परन एवं तोड़े।	
Unit- IInd	1. गत विकास–रूखसार, ठाठ की गत। 2. गतभाव– गोवर्धनपूजा	
Unit- IIIrd	1. सरस्वती वंदना एवं कृष्ण वंदना पर भाव प्रदर्शन। 2. मध्यप्रदेश के कोई एक लोकनृत्य का प्रदर्शन। 3. कृष्ण वंदना पर भाव प्रदर्शन। 4. किसी एक प्रादेशिक लोकनृत्य का प्रदर्शन।	
Unit- IVth	1. झपताल, सुलताल में निम्नानुसार नृत्य– पद संचालन, थाठ, एक आमद, तीन तोड़े, एक प्रिमूल दो परन (जातिगत), दो कवित्त 2. धमारएवं आडा चौताल, रूपक ताल में निम्नानुसार नृत्य पद संचालन, एकगुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन, ठाट एक आमद, पांच तोड़े, दो (जातिगत) परन, एक कवित्त।	
Unit- Vth	पढ़न्त करने की क्षमता– 1. झपताल, सुलताल तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुनसहित। 2. प्रायोगिक में सीखे गये समस्त बोल बंदिशें।	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2022–23

Class : B.A. IIIrd Year
Subject : Kathak
Paper : Ist
Title of paper :भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत
(History and development of Indian dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : (Question paper = 80) + (Mid Term = 15) + (Attandance = 05) = Total 100

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. रायगढ़ घराने के कथक नृत्य के विकास में राजा चक्रधर सिंह जी का योगदान। 2. गुरू शिष्य परम्परा के महत्व को समझाइए।	
Unit- IInd	1. भारतीय रंगमंच स्वरूप एवं परम्परा। 2. भारतीय नृत्य कला में विभिन्न कालों में परिवर्तन।	
Unit- IIIrd	1. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन अ. देवहस्त एवं दशावतार हस्त। ब. कुचिपुड़ी शास्त्रीय नृत्य शैली का परिचयात्मक ज्ञान। 2. पं. कार्तिकराम एवं पं. कल्याण दास जी जीवन परिचय।	
Unit- IVth	1. जीवनियां एवं कथक नृत्य में योगदान– पं. फिरतू महाराज, पं. बर्मन लाल, पं. रामलाल, विदूषी सितारा देवी, गोपीकृष्ण, कृष्ण कुमार। 2. रास नृत्य से कथक का संबंध।	
Unit- Vth	1. पंचमसवारी एवं गजझंपातालों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन। 2. तीनताल, पंचमसवारी अथवा गजझंपा तालों में सीखे गये बोल व परन।	

नोटः– तृतीय सेमेस्टर के धमार एवं आडा चौताल।
पंचम सेमेस्टर के ताल– तीनताल, पंचमसवारी, एवं गजझम्पा।
पूर्व में कक्षा में सीखी गई ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2022–23

Class : B.A. IIIrd Year
Subject : Kathak
Paper : 2nd
Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : (Question paper = 80) + (Mid Term = 15) + (Attandance = 05) = Total 100

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. कथक नृत्य के विकास में नवाब वाजिद अली शाह के योगदान का अध्ययन। 2. कथक नृत्य के इतिहास से संबंधित निबंध (300) शब्दो में लिखिए।	
Unit- IInd	1. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिये गये कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की संचना करने की क्षमता– कालिया दमन, शूर्पणखा, मानभंग कथानक, पात्र चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूपसज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस। 2. प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई बोल बंदिशों को लिपिबद्ध करना।	
Unit- IIIrd	1. पंचमसवारी अथवा गजझंपा तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लिपिबद्ध करने की क्षमता। 2. प्रायोगिक में सीखे गये नृत्य के बोलों की लिपिबद्ध करने की क्षमता।	
Unit- IVth	1. नाट्यशास्त्र के अनुसार स्थानक भेद। 2. नृत्य के उपकरण– मंच व्यवस्था, संगतकार, वेशभूषा, ध्वनिप्रकाश व्यवस्था।	
Unit- Vth	1. त्रिताल में एक तिहाई लिपिबद्ध कीजिए। 2. पंचम सवारी अथवा गजझंपा में एक आमद लिपिबद्ध कीजिए।	

नोटः– तृतीय वर्ष के धमार एवं आडा चौताल, झपताल, सूलताल, रूपक
पंचम सेमेस्टर के ताल– तीनताल पंचसवारी एवं गजझम्पा।
पूर्व कक्षा में सीखी गई ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।

संदर्भित पुस्तकेंः–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)
10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)

12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरू दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने विषेष संदर्भ में'' (डॉ. अंजना झा)

प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक **पूर्णांकः 100**

Unit- 1st	1. तीन ताल में पूर्व में सीखे गये नृत्य का विकसित रूप एवं तत्कार लयबांट सहित।	
Unit- IInd	1. गत निकास–घूँघट के विभिन्न प्रकार। 3. गतभाव–कालियादमन	
Unit- IIIrd	1. रामस्तुति पर भाव प्रदर्शन। 2. तराना का नृत्य प्रदर्शन।	
Unit- IVth	3. पंचमसवारी एवं गजझंपा तालों में निम्नानुसार नृत्य– पद संचालन एकगुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन, ठाट, एक आमद, तीन तोड़े दो चक्करदार तोड़े, एक प्रिमेलू, दो (जातिगत) परन, एक चक्करदार परन दो कवित्त।	
Unit- Vth	पढ़न्त करने की क्षमता– 1. चतुर्थ सेमेस्टर के ताल– धमार एवं आडा चौताल । 2. पंचम सेमेस्टर के ताल– तीन ताल, पंचमसवारी एवं गजझंपा।	